प्रेस विज्ञप्ति:

सडक सुरक्षा के लिए जीवन का महत्त्व समझें - प्रकाश पाटील

पुणे - सडक पर सुरक्षित रहने के लिए जीवन बहुत ही कीमती है, इसे स्वस्थ और सुरक्षित रखकर जीवन यात्रा को सफल बना सकते है, इस बात पर सभी को ध्यान देने की जरुरत है । मोबाइल पर बात करते या नशे की हालत में गाडी चलाना मौत को बुलावा देना ही है, इसलिए जीवन की सुरक्षा के लिए वाहन चलाते समय मन को स्वस्थ रखना आवश्यक है ।

ब्रह्माकुमारीज के 'यातायात एवं परिवहन प्रभाग' के सहयोग से आर.टी.ओ. पुणे द्वारा ''**आध्यात्मिकता से स्व-रक्षा और सडक सुरक्षा**'' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जन-समूह को सम्बोधित करते हुए पुणे के उपविभागीय आयुक्त प्रकाश पाटील ने उपरोक्त विचार व्यक्त किये । उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा मन को स्वस्थ और सन्तुलित करने के लिए सिखायी जा रही विधी बहुत ही सराहनीय है और यातायात प्रभाग द्वारा दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जन-जागृति कार्यक्रम बहुत प्रभावी भी है ।

माऊन्ट आबू से पधारे यातायात एवं परिवहन प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बी. के. सुरेश शर्मा ने बताया कि चालकों-परिचालकों के स्व सशक्तिकरण द्वारा ही आये दिन होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लायी जा सकती हैं । प्रशिक्षण लेकर, सुनकर जाने से नहीं बल्कि आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन में अपनाने से ही मन सशक्त और सकारात्मक बन सकेगा । अत: सर्वप्रथम स्वयं को परिवर्तन कर दूसरों को प्रेरित करने का संकल्प लें । आर.टी.ओ. और ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा इस दिशा में प्रयास जारी रहने चाहिये ।

पुणे के आर.टी.ओ. चंद्रकान्त खरटमल ने ब्रह्माकुमारीज के 'यातायात एवं परिवहन प्रभाग' द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि, इस संस्था के सहयोग के कारण ही पुणे के ३ मुख्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर आज **२०००० ट्रक**, कार वा बस चालकों-परिचालकों को राखी बांधकर सुरक्षित यात्रा का संदेश दिया जा रहा है । इसके साथ-साथ वाहनों पर रिफ़्लेक्टर लगाये जा रहे है तथा स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया गया है।

पुणे और कोल्हापुर सब-जोन डायरेक्टर बी. के. सुनन्दा बहन ने कहा कि, तन-मन-धन और जन की सर्वांगीण सुरक्षा से ही सही अर्थ में जीवन यात्रा को सुरक्षित एवं सुखद बना सकते है । तन को व्यसनमुक्त रखकर शुद्ध भोजन द्वारा स्वस्थ, मन को सकारात्मक विचारों द्वारा सशक्त करें । और धन को सही तरीके से उपार्जित कर अच्छे कार्यों में उपयोग करके तथा समाज के लोगों से भाईचारे की भावना के साथ सहयोग द्वारा ही हम सदा सुरक्षित रह सकते है । इसलिए राजयोग मेडीटेशन के अभ्यास द्वारा सकारत्मक जीवन शैली अपनायें और सर्वांगीण विकास करते हुए समाज व देश को खुशहाल बनायें ।

दैनिक प्रभात के संपादक अरुण खोरे ने जीवन मूल्यों पर जोर देते हुए कहा कि महाराष्ट्र की धरती पर अनेकानेक संत-महात्मायें पैदा हुए हैं जिनके जीवन से प्रेरणा लेकर विचारों को श्रेष्ठ बना सकते हैं । ब्रह्माकुमारी संस्था के भाई-बहनों का जीवन हमें प्रेरणा देता है कि समाज को सुरक्षित बनाने के लिए विचारों को शुद्ध करें । सी. आय.आर.टी. के प्रोफेसर प्रकाश जाधव ने कहा कि पुणे के इतिहास में यह पहला मौका है कि, घर-परिवार से दूर, मन से थके हारे चालकों-परिचालकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए इतना विशाल कार्यक्रम हो रहा है, जिसके माध्यम से एक ही दिन में **२०००० से** अधिक लोगों को राखी बांधना, भावनात्मक सन्तुष्टी देना और मिठाई खिलाकर मुख से मीठे बोल बोलने की श्रेष्ठ प्रेरणा मिलती है । यह एक अद्वितीय कार्य है, मैं इसकी खुले दिलसे तारिफ़ करता हू और सफ़लता की शुभकामनायें देता हू । इसके अलावा आर. टी. ए. महाराष्ट्र के सदस्य बाबा शिंदे ने भी सभा को सम्बोधित किया और उप-प्रादेशिक परिवहन अधिकारी एल. ए. दराडे ने सभी का आभार व्यक्त किया । पुणे की बी. के. रोहिणी ने मंच संचालन किया ।